भारत सरकार
महिला एवं बाल विकास मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 2250
दिनांक 12 दिसंबर, 2025 को उत्तर के लिए

न्यूट्रिशन ट्रैकर ऐप

2250. श्री सनातन पांडेयः

क्या **महिला और बाल विकास मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या आंगनवाड़ी केंद्रों (एडब्ल्यूसी) में गुणवत्ता में सुधार के लिए न्यूट्रिशन ट्रैकर ऐप का उपयोग किया जा रहा है, यदि हां, तो बच्चों के पोषण की स्थिति की निगरानी में क्या सुधार देखा गया है; और
(ख) क्या इसके माध्यम से राज्यों को वास्तविक समय का डेटा उपलब्ध कराया जा रहा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर
महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री
(श्रीमती सावित्री ठाकुर)

(क): 'पोषण ट्रैकर' एप्लिकेशन को 1 मार्च 2021 को एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक उपकरण के रूप में शुरू किया गया था। पोषण ट्रैकर सभी आंगनवाड़ी केंद्रों, आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों और लाभार्थियों की निर्धारित संकेतकों के आधार पर निगरानी और ट्रैकिंग की सुविधा प्रदान करता है। पोषण ट्रैकर के अंतर्गत प्रौद्योगिकी का उपयोग बच्चों में बौनापन, दुबलापन और अल्प-वजन की व्यापतता की सटीक पहचान के लिए किया जा रहा है। इसने आंगनवाड़ी सेवाओं जैसे कि आंगनवाड़ी केंद्रों का खुलना, बच्चों की दैनिक उपस्थिति, ईसीसीई गतिविधियाँ, बच्चों की वृद्धि की निगरानी, पका हुआ गर्म भोजन (एचसीएम)/टेक होम राशन (टीएचआर - कच्चा राशन नहीं) का वितरण इत्यादि के लिए लगभग तत्समय में डेटा संग्रह की सुविधा प्रदान की है। पोषण ट्रैकर डेटा के विश्लेषण से पता चलता है कि बच्चों में बौनापन, दुबलापन और अल्प वजन जैसे कुपोषण संकेतकों में सुधार हुआ है (जैसा कि नीचे दी गई तालिका में दर्शाया गया है)।

संकेतक	नवंबर 2022	नवंबर 2023	नवंबर 2024	नवंबर 2025
बौने बच्चे (%)	40.49	38.47	39.27	32.92
दुबले बच्चे (%)	8.52	6.10	5.33	4.81
अल्प-वजन वाले बच्चे (%)	19.42	16.56	17.20	14.03

विस्तृत जानकारी https://www.poshantracker.in/statistics पर भी उपलब्ध है।

(ख): पोषण ट्रैकर का डेटा सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के लिए विभिन्न स्तरों पर उपलब्ध कराए गए उनके संबंधित लॉगिन क्रेडेंशियल के माध्यम से उपलब्ध है।

*****